



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



## Cadaver Organ Donor

**Late Dr. Devang Jitendrabhai Chahwala**

**Donated His: Heart, Lungs, Kidney, Liver & Corneas**

**Date:- 08/03/2024**

**DONATE LIFE®**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



## **डॉ. देवांग के परिवार ने हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें दान की**

**होली की पूर्व संध्या पर डोनेट लाइफ द्वारा 51वां हृदय दान और 24वां फेफड़ा दान**



### **सात लोगों को नया जीवन दिया और मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई**

#### **अतुल्य हिन्दुस्तान संवाददाता**

सूरत, 50 वर्षीय होमोपैथी डॉवांग जिंदेंद्र चाहवाला के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से, डॉ. देवांगभाई के हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें दान कर सात लोगों को नया जीवन दिया और मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई।

सूरत निवासी 48 वर्षीय व्यक्ति में दान दिया गया हृदय प्रत्यारोपण अहमदाबाद के यून मेहता अस्पताल में किया गया। फेफड़े का प्रत्यारोपण जामनगर के 47 वर्षीय निवासी में अहमदाबाद के डॉ. हास्पिटल में किया गया। अहमदाबाद IKDRC में तीन जरूरताद मरीजों का विवर और किडनी ट्रांसप्लांट का विवर दिया गया।

सूरत के शेल्वी मल्टीसेशनली अस्पताल से सूरत हवाई अड्डे तक सड़क का ग्रीन कॉरिडोर सूरत सिटी पुलिस द्वारा दिल और फेफड़ों को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए बनाया गया था। डोनेट लाइफ संस्था अब तक देश-विदेश के ग्राहक से पैंड्रू से अधिक लोगों को अलग-अलग अंग दान कर नहीं जिसी देने में सकल रही है। कपड़ा और हीरा नारी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में ऑर्जन डोनर सिटी के नाम से मशहूर हो रहा है।

डॉ. देवांगभाई, 35 वर्षीय मेघमरु पत्ना, जानी फरसाण के सामने, पांचपोइंट, सूरत में रहते हैं और स्टीलाइट में भावती अशीष

#### **अंगदान में परिवार का मिला साथ**

डॉ. देवांगभाई की पत्नी जिंगिशा, बेटी हेतवी और मां डॉ. गीताबेन ने कहा कि हम अक्सर अखबारों में अगदान के बारे में खबरें पढ़ते हैं। अगदान का कार्य एक ईश्वरीय कार्य है, जब शरीर राख में बदलने वाला हो तो कृपया आगे बढ़ें और मेरे पति/पुरुष के अधिक से अधिक अंगों का दान कर अंग विफलता के रोगियों को जीवनदान दें। परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। SOTTO द्वारा हृदय अहमदाबाद के यू.एस. मेहता हास्पिटल, फेफड़े अहमदाबाद के डॉ. हास्पताल, किडनी और लीवर को आईकीआरसी, अहमदाबाद को आवाइट किया गया था।

#### **अंगों का दान स्वीकार करने वाली टीम**

हृदय दान अहमदाबाद के यू.एस. मेहता अस्पताल के डॉ. आशोप मांडकेन्कर, डॉ. रौनक गवल, डॉ. डॉ. अविनंत चौहान, ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर डॉ. दिनभाई बोरानिया और उनकी टीम ने अहमदाबाद के डॉ. केंद्री अस्पताल को फेफड़े दान किए। मिनांद, डॉ. प्रदीप डाभी, डॉ. विपुलकुमार चौधरी, ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर निखिल व्यास और उनकी टीम को, किडनी, और लीवर दान अहमदाबाद की आईकीआरसी अस्पताल के डॉ. कल्याण और उनकी टीम ने स्वीकार कर लिया। जबकी नेत्रदान डॉ. प्रफुल्ल रियोना ने स्वीकार किया।

कॉम्प्लेक्स में होमोपैथिक डॉवांग के रूप में अस्थास करते हैं, उन्होंने 18 वर्षीय को चक्रवर्त अनें और कमजोरी की शिकायत की। उन्होंने दिशांक शास्त्र से सलाह लेते हुए एमआरआई परियों का करने की सलाह दी। एमआरआई परियों में मरितक में स्क्रॉबट का पता चला। इचलिए डॉ. देवांगभाई को आईएनएस अस्पताल में न्यूरोफिजिशन अनिलद्र आटे के इलाज के तहत भर्ती कराया गया। जिसे सोरेकल परियोग्राफी के दैवान मरितक में रेटन वाहिका में रक्कावट का पता चला था। आगे के

#### **प्रत्यारोपण और ग्रीन कॉरिडोर**

अहमदाबाद के यूएस मेहता अस्पताल में सूरत के 48 वर्षीय निवासी में हृदय प्रत्यारोपण किया गया। चिराग दोशी और उनकी टीम द्वारा जामनगर के एक 47 वर्षीय निवासी के फेफड़े का प्रत्यारोपण अहमदाबाद के डॉ. हास्पिटल में डॉ. संदीप अत्तावर एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। दान की गई किडनी और लीवर को आईकीआरसी अहमदाबाद में तीन जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपण किया गया। दिल, फेफड़े, किडनी और लीवर को समय पर हालाँ और सड़क मार्ग से अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा 2 ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। उल्लेखनीय है कि हृदय, फेफड़े, हाथ, लोटी आंत, लीवर और किडनी जैसे महत्वपूर्ण आंगों को समय पर देश के विभिन्न शहरों में पहुंचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा 2 ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया है।

डेड हो चुके देवांगभाई और परिवार ने उनके अंग दान करने की इच्छा जताई है। डोनेट लाइफ टीम पहुंची शेल्वी मल्टीसेशनली हास्पिटल डॉ. देवांगभाई की मां डॉ. गीताबेन, पत्नी जिंगिशा, बेटी हेतवी और अन्य इच्छुक परिवार के सदस्यों ने अंग दान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया।

**"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."**



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

सात जनों को मिला नया जीवन

## होमियोपैथी डॉक्टर के ब्रेनडेड होने पर परिजनों ने किया अंगदान



पत्रिका  
ट्यूमन  
एगल

सूरत @ पत्रिका. दोस्री त्वाहार से एक दिन पहले सूरत में डोनेट लाइफ द्वारा पारले घृण्ठि क्षेत्र निवासी होमियोपैथी डॉक्टर के ब्रेनडेड होने पर अंगदान करवाया है, जिससे सात जनों को नई जीवन मिली है। सूरत से हृदय दान की 51वीं और फेफड़े दान की 24वीं घटना है। दान में मिला हृदय सूरत निवासी और फेफड़े जामनगर निवासी व्यक्तियों में ट्रांसप्लांट दिया गया।

जानवारी के अनुसार, पारले घृण्ठि में भूमिका लेने वाली निवासी डॉ. देवांग जोसेन्ट्र चाहवाला (50) पिटोलाइट भवाती आवीष कॉम्प्लेक्स में होमियोपैथी डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस करते थे। डॉ. देवांग को 18 मार्च को चूक्टर आने के बाद कमजोरी बढ़सूस होने पर परिजनों ने डॉ. दिशांक शाह वाल के कंसल विद्या। उन्होंने एमआरआई और एचियो कस्टम वेरी सलाह दी। रिपोर्ट में दिमाग में ब्लॉकेज होना पता चला। इसके बाद उन्हें आईएनएस अस्पताल में न्यूरोफिजियोलॉजी डॉ. अनिल आटे की देखरेख में भर्ती होने के बाद अंगदान की देखरेख में भर्ती

दान में मिले अंगों को हवाई तथा सड़क मार्ग से अहमदाबाद पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाए



### 1216 अंगों का टिश्यू का दान

हृदय, फेफड़े, किडनी और लिवर के समय से हवाई मार्ग और सड़क मार्ग द्वारा अहमदाबाद पहुंचाने के लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। सूरत सभेता देखिंग गुजरात से अब तक डोनेट लाइफ में कुल 1216 अंगों का टिश्यू का दान करवाया

करवाया गया। इलाज के होमेन विकिलसकों ने 22 मार्च को उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया। सूचना मिलने पर डोनेट लाइफ वीटीम पहुंची और अंगदान के बाद में परियोग के बाद में जामनगर निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति, फेफड़े जामनगर निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति के बाद स्टेट ऑर्गन ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) से सांकेतिक विद्या गया। एसओटीटीओ ने हृदय अंगदान की डॉ. फ्रूल्ल अहमदाबाद की डॉ. शूल मेहता अहमदाबाद के डॉ. प्रफुल्ल शिरोयी ने खोकार किया।

हृदय, फेफड़े के दो अस्पताल और किडनी व लिवर अड्डेओं आरोग्यी अस्पताल को दान दिया। दान में मिला हृदय सूरत निवासी 48 वर्षीय व्यक्ति, फेफड़े जामनगर निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति और किडनी व लिवर तीन अन्य जल्दताद भर्ती में ट्रांसप्लांट किया गया। जल्दीक चक्षुओं का दान लोकट्रांस्प्लांट के डॉ. प्रफुल्ल शिरोयी ने खोकार किया।

**अंगदान** • हृदय सूरत के ही 48 वर्षीय व्यक्ति को मिला, अंग अहमदाबाद पहुंचाने को दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए ब्रेनडेड होम्योपैथिक डॉ. देवांग का हृदय-फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें परिजनों ने दान की, सात लोगों को मिला नया जीवन

स्टीरी रिपोर्टर | सूरत

ब्रेनडेड होम्योपैथिक डॉक्टर देवांग जितेंद्र चाहवाला (50) के परिजनों ने उनका हार्ट, फेफड़े, लीवर, किडनी और आंखें दान कर दीं। इससे जरूरतमंड 7 लोगों को नया जीवन मिला। देवांग के हृदय का ट्रांसप्लांट सूरत निवासी 48 वर्षीय व्यक्ति को अहमदाबाद के अस्पताल में किया। फेफड़ा जामनगर के 47 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। लीवर और किडनी तीन अलग-अलग रोगियों में ट्रांसप्लांट किए गए। नेत्रदान



लोकट्रांस्प्लांट चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल्ल ने दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए थे। शिरोया ने स्वीकार किया। हार्ट, पाँवें पॉइंट स्थित मेध मयूर प्लाजा फेफड़ा, किडनी और लीवर को के फ्लैट नंबर 3 ई निवासी और समय से हवाई और सड़क मार्ग से होम्योपैथिक डॉक्टर देवांग को 18 मार्च को चक्कर आने पर परिजनों

ने डॉ. दिशांक शाह से संपर्क किया। उनको सलाह पर एमआरआई कराने पर दिमाग में ब्लॉकेज का पता चला। उन्हें आईएनएस अस्पताल में भर्ती कराया गया और एचियोग्रामी कराने पर नसों में ब्लॉकेज का इलाज किया गया। वहां से अधिक उपचार के लिए शेल्वी अस्पताल में दाखिल कराया गया। 22 मार्च को डॉक्टरों ने डॉ. देवांग को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। डॉ. देवांग की पत्नी जीगीशा, बेटी हेत्ती और माता डॉ. गीतबेन ने बताया कि अंगदान का कार्य एक ईश्वरी कार्य है। उन्होंने अंगदान की सहमति दी।

**डोनेट लाइफ ने अब तक 216 अंगों का दान कराया**

डोनेट लाइफ द्वारा हार्ट दान कराने की यह 51वीं और फेफड़े दान कराने की 24वीं घटना है। डोनेट लाइफ के निलेश मांडलेवाला ने बताया कि मूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ द्वारा अब तक 1216 अंगों का दान कराया गया है। जिसमें 496 किडनी, 215 लीवर, 51 हार्ट, 48 फेफड़ा, 8 पैकियाज, 4 हाथ, एक छोटी आंख और 393 चक्षुओं के दान से 1116 व्यक्तियों को नया जीवन देकर देने में सफलता हासिल की है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## બ્રેનડેડ ડૉ. દેવાંગ ચાહવાલા અંગદાનથી ૭ વ્યક્તિઓને નવજીવન

ખાલેદ પ્રતિનિધિ,  
સુરત, ત્થ. ૨૪

સુરત શહેર અંગદાનની પ્રતિનિધિ અપેક્ષા થઈ રહ્યું છે ત્યારે શરીરમાં ક્ષેત્રોના થયેલા હો. દેવાંગ ચાહવાલાના અંગના દાનથી ૭ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રોફેસર વિવત મુજબ,  
પાર્લીયોર્ડના મેધિસ્પર ખાજા  
એપાર્ટમેન્ટ પાર્ટ રહેતા ત્યાં  
ચિલ્ડ્રીલાઇટમાં ભરવતી આધિપ  
ઓફિસેન્સ હોસ્પિટાની તથા  
તરીકે પ્રોફેસર કરતા હો. દેવાંગચાહ  
ચાહવાલા પટ્ટી માર્ગે કરીનું



આવતા અને નહાણાઈ વાગતાં  
આઠંબેનાંસ હોસ્પિટલમાં દાખલ  
કરયા હતા. બાદના રનમા માર્ગે  
શેલ્લી હોસ્પિટલથાં પાંચ દાન  
હતા. દરમિયાન તૂં રદમી માર્ગેના  
દોષુંટાં છે. દેવાંગચાહની બ્રેનડેડ ડેન્ડ  
કરયા હતા. તો તેનાં જરીયાનાં  
પેનેટ લાઈન સ્થાપન નાલે શાળાઈ  
મંગલ્યવાલાનો સેંપક કર્યો હતો. તો  
દેવાંગચાહના પાંચીઓને ત્યાં  
સીનિયર કીઝરનાં પૂરી હેઠો ત્યાં  
માત્ર હો. ગીતાનેને દ્વારા નાનાના  
અંગદાનની ઠંડ્યા વિના કરી હતી.  
શેલ્લી પગથી હો. દેવાંગચાહના કદય,  
એકસાં, વિવત, ડોઝાનાં બચુંઓનું  
દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

સંદૂક આપાર અને તેમની  
દીન દાચ કરવામાં આવ્યું.

દેનાનું દ્વારા જામનગરના  
દોષુંટાં વિના કરી હતી. તો  
શેલ્લી પગથી હો. દેવાંગચાહના કદય,  
એકસાં, વિવત, ડોઝાનાં બચુંઓનું  
દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરત અને દ્વારા જુલાના માઝી  
દોષુંટાં સુરતના રહેવાસી  
અને ટીસ્ક્યુનાનું દાન દાચવામાં  
આવ્યું છે. જોંગ રદેના, ૨૧૫  
કિલો, પા. કદય, ૪૮ કેલ્સો, ૮  
પેન્ડીઓસ, રલાય, ૧ નાનું આપારનું  
દ્વારા જામનગરના રહેવાસી  
અને ડાચ કરવાના દીન ૧૧૬  
વ્યક્તિઓને નવજીવન અને નવીં  
જીવી જીવામાં સંક્રાતા મળી છે.

## પ્રેરણ | સુરતના આધેડમાં હૃદયનું અને જામનગરના આધેડમાં ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું પાર્લેપોઈન્ટના બ્રેનડેડ તબીબના અંગોનું દાન, ૭ને નવજીવન

હેલ્પિંગર સુરત

પાર્લેપોઈન્ટ પર રહેતા બ્રેનડેડ  
આધેડતબીબના અંગોનું દાન કરીને  
પરિવારે ૭ વ્યક્તિને નવું જીવન  
આપ્યું છે. હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ  
સુરતના આધેડમાં જ્યારે ફેફસાંનું  
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જામનગરના આધેડમાં  
કરવામાં આવ્યું છે. કિ જીની લિવર  
તેમજ ચયુંનાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ  
જરૂરીયાતમાં દર્દીઓમાં કરાશે.

અધાવાલાઈન્સના મેધિસ્પુર  
ખાજાનાં પાતે રહેતા ૫૦ વર્ષથી દેવાંગ  
જ્ઞાનેનું ચાહવાલા હોમ્પોથે  
તબીબ હતા અને સિલીલાઇટમાં  
ભગવતી આધિપ ઓમ્પ્લેક્સમાં  
પ્રેક્ટીસ કરતા હતા. ગઈ તા. ૧૮  
માર્ગના રોજ ચક્કર આવવાની  
તેમજ નભળાઈ લાગવાની  
ફીરીયાદ કરતા એમઆરાઈ

અને એન્જિયોગ્રાહી કરાવતા  
મગજમાં બ્લોકેજ હોવાનું નિદાન  
થયું હતું જેથી તેમને આઈનેનેસેન  
હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા.  
જ્યાંથી વૃદ્ધ સારવાત માર્ગે તેમને  
શેલ્લી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો  
હતા. જ્યાં મગજની નસમાં સ્ટેન્ટ  
બેસાડવાની પ્રોસીજર કરવામાં  
આવી હતી. ૨૨ માર્ગના રોજ તેમને  
તબીબોને બ્રેનડેડ આર્ડેર કર્યો હતા.  
પરિવારે તેનેટ લાઈફ રોને સેંપક કરી  
અંગદાનની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી હતી.

લિવર, ફેફસા, કિ જીની અને લિવર સમયસર હવાઈ માર્ગે અને રોડ માર્ગે  
પાર્લેપોઈન્ટના માર્ગે શહેર પોલીસ દ્વારા બે ગ્રીન ડોરીઓ રેન્સાવામાં આવ્યા  
હતા. જેમાં એક ગ્રીન ડોરી હેર શેલ્લી હોસ્પિટલથી એરપોર્ટ સુધીનો અને  
બીજો ગ્રીન ડોરી હેર શેલ્લી હોસ્પિટલથી અમદાવાદ રોડ માર્ગે બનાવાયો.  
ડોનેટ લાઈફના માદયમથી સુરતમાંથી હૃદયનું ૫૧મું દાન

સુરતની તેનેટ લાઈફ સંસ્થાના માધ્યમથી શહેરમાંથી હૃદયનું આ ૫૧મું દાન  
હતું જ્યારે ફેફસાનું ૨૪મું દાન કરવામાં આવ્યું હોવાની માહિતી સંસ્થા દ્વારા  
આપવામાં આવી હતી.

આધેડના વિવિધ અંગોને  
આરીતે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયેને  
અધેડના પરિજ્ઞનો દ્વારા દાનનાં  
મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું  
દ્રાસ્યાદાનાં અમદાવાદની  
યુનેન મહેતા હોસ્પિટલમાં  
સુરતના આધેડમાં કરાયું હતું,  
જ્યારે ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ  
જામનગરના આધેડમાં  
અમદાવાદની કે.ડી. હોસ્પિટલમાં  
કરાયું હતું. આ ઉપરાંત દાનમાં  
મળેલા ડિડની અને લિવરનું  
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ગ્રાન્ઝ જરૂરીયાતમંદ  
દર્દીઓમાં આઈડી.ડી.આર.સી.માં  
કરવામાં આવેલો તેમજ ચયુંનોનું  
દાન લોકડ્રાફ્ટી ચયુંનોક દ્વારા

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાન..."





# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતમાંથી હૃદય દાનની આ પ૧મી અને ફેફસાના દાનની ર૪મી ઘટના

## પાર્લેપોઇન્ટના હોમિયોપેથી ડોક્ટરે મૃત્યુ બાદ પણ અંગદાનથી સાત લોકોને નવું જીવન બક્ષ્યું

સુરત, તા. ૨૪

હોળીના તહેવારના એક દિવસ પહેલા સુરતમાં ડોનેટ લાઈફ, ક્રેન્ચ ડેડ થયેલા પાર્લેપોઇન્ટ વિસ્તારમાં રહેતો ૫૦ વર્ષીય ડૉ. દેવાંગ જોન્ડ ચાહવાલા સિટીલાઈટ ભગવતી આશિષ કોમલેક્સમાં હોમિયોપેથી ડોક્ટર તરીકે પ્રેક્લિન્સ કરતાં હતા. રહેતા હોમિયોપેથી ડોક્ટરના મંગોનું ૧૮ માર્યે જ્યારે ડૉ. દેવાંગને ચક્કર દાન કરીને સાત લોકોને નવું જીવન આપ્યા બાદ નભળાઈ અનુભવાઈ આપ્યું છે. સુરતમાંથી હૃદય દાનની આ ત્યારે તેમના પરિવારે ડૉ. દિશાંક



કેડી હોસ્પિટલને ફેફસાના અને આઈકોનારસી હોસ્પિટલ, અમદાવાદને કિડની અને લીવરનું દાન કર્યું હતું. દાનમાં આપેલું હૃદય સુરતના ૪૮ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું, જીમનગરના ૪૭ વર્ષના વ્યક્તિના ફેફસાના અને અન્ય પ્રજ્ઞા જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કિડની અને લીવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. જ્યારે લોક પ્રણ આઈ બેંકા ડૉ. પ્રકુળ શિરોયા દ્વારા ચક્કરનું દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું. હૃદય, ફેફસાના, કિડની અને લીવરને અમદાવાદ સુધી હવાઈ અને માર્ગ દ્વારા સમયસર પહોંચાડવા માટે બે જીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા.

### હૃદય સુરતના રહેવાસીને જ્યારે ફેફસાના જામનગરના દર્દીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા

પ૧મી અને ફેફસાના દાનની ૨૪મી ધારીના સહીની સલાહ લીધી હતી. તેમણે ધારીના મળેલું હૃદય સુરતના રહેવાસીમાં અને ફેફસાના જામનગરના કરવાના રિપોર્ટમાં મળજીમાં બ્લોકેજ રહેવાસીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં હોવાનું બાહાર આવ્યું છે. આ આવ્યા છે.  
પાર્લેપોઇન્ટ મેધમયુર પ્લાઝામાં અનિરુદ્ધ આટોની દેખરેખ હેઠળ

આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યું. એમારાન્ના અને એન્જિયો કરવાના રિપોર્ટમાં મળજીમાં બ્લોકેજ રહેવાસીને ડોક્ટરને જોનેટ લાઈફ કરવામાં આવ્યું. આ પછી, તેમને ન્યૂરો ડિસ્ચિન્યુન ડૉ. માહિતી મળતાં જ ડોનેટ લાઈફની ક્રિમ પહોંચી અને પરિવારને અંગદાન પુનેન મહેતા હોસ્પિટલને હૃદય,

વિશે સમજાવ્યું. પરિવાર તરફથી સંમતિ મળ્યા બાદ સેટ ઓર્ગન ટિશ્યુ એન્ડ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગનાઈઝેન (એસએટીટીઓ)નો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. એસએટીટીઓને પુનેન મહેતા હોસ્પિટલને હૃદય, કેડી હોસ્પિટલને

ઓર્ગનાઈઝેશન (એસએટીટીઓ) નો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. એસએટીટીઓએ ચુંણેન મહેતા હોસ્પિટલને હૃદય, કેડી હોસ્પિટલને ફેફસાના અને આઈકોનારસી હોસ્પિટલ, અમદાવાદને કિડની અને લીવરનું દાન કર્યું હતું. દાનમાં આપેલું હૃદય સુરતના ૪૮ વર્ષીય વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું, જીમનગરના ૪૭ વર્ષના વ્યક્તિના ફેફસાના અને અન્ય પ્રજ્ઞા જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કિડની અને લીવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. જ્યારે લોકડ્રાસ્ટિ આદ બેંકના ડૉ. પ્રકુળ શિરોયા દ્વારા ચક્કરનું દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું. હૃદય, ફેફસાના, કિડની અને લીવરને અમદાવાદ સુધી હવાઈ અને માર્ગ દ્વારા સમયસર પહોંચાડવા માટે બે જીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા.

## પાર્લેપોઇન્ટનો તબીબ હોળીના એક દિવસ પહેલા સાત લોકોના જીવનમાં રંગ ભરતો ગયો

**બ્રેઇન ડેડ હોમિયોપેથી**  
ડોક્ટરના અંગોના દાનથી  
સાત લોકોને નવું જીવન  
મળ્યું

સુરત: હોળીના તહેવારના એક દિવસ પહેલા પ્રેઇન ડેડ થયેલા પાર્લેપોઇન્ટ વિસ્તારના હોમિયોપેથી ડોક્ટરના અંગોનું દાન ડોનેટ લાઈફ સંથા હારા કરીને સાત લોકોને નવું જીવન આપ્યું છે. સુરતમાંથી હૃદય દાનની આ ૫૧મી અને ફેફસાના દાનની ૨૪મી ઘટના છે. દાનમાં મળેલું હૃદય સુરતના દર્દીમાં અને ફેફસાના જામનગરના દર્દીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

ડોનેટ લાઈફના નિલેશભાઈ માંડલેવાલાએ જણાયું હતું કે પાર્લેપોઇન્ટ વિસ્તારમાં મેધમયુર પ્લાઝામાં રહેતા ૫૦ વર્ષીય ડૉ.

દેવાંગ જીલેન્ડ ચાહવાલા સિટીલાઈટ ડૉ. પર આવેલા ભગવતી આશિષ કોમલેક્સમાં હોમિયોપેથી ડોક્ટર તરીકે પ્રેક્લિન્સ કરતાં હતા. ૧૮ માર્યે ડૉ. દેવાંગને ચક્કર કરીને સાત લોકોને નવું જીવન આપ્યા બાદ નભળાઈ અનુભવાઈ આપ્યું છે. ડૉ. દેવાંગ ને પરિવારને ચક્કર કરીને જ્યારે ડૉ. દેવાંગને ચક્કર કરતાં હતા. સારવાર દરમિયાન ૨૨ માર્યે ડોક્ટરને તેમને બેંન ડેડ જોનેટ લાઈફની માહિતી મળતાં જ ડોનેટ લાઈફની ક્રિમ પહોંચી અને પરિવારને અંગદાન વિશે સમજાવ્યું. પરિવાર તરફથી સંમતિ મળ્યા બાદ સેટ ઓર્ગન ટિશ્યુ એન્ડ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગનાઈઝેન (એસએટીટીઓ)નો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. એસએટીટીઓએ ચુંણેન મહેતા હોસ્પિટલને હૃદય, કેડી હોસ્પિટલને ફેફસાના અને આઈકોનારસી હોસ્પિટલ, અમદાવાદને કિડની અને લીવરનું દાન કર્યું હતું. દાનમાં આપેલું હૃદય સુરતના ૪૮ વર્ષના વ્યક્તિના ફેફસાના અને અન્ય પ્રજ્ઞા જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કિડની અને લીવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. જ્યારે લોકડ્રાસ્ટિ આદ બેંકના ડૉ. પ્રકુળ શિરોયા દ્વારા ચક્કરનું દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું. હૃદય, ફેફસાના, કિડની અને લીવરને અમદાવાદ સુધી હવાઈ અને માર્ગ દ્વારા સમયસર પહોંચાડવા માટે બે જીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા.

ઓર્ગનાઈઝેશન (એસએટીટીઓ) નો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો. એસએટીટીઓએ ચુંણેન મહેતા હોસ્પિટલને હૃદય, કેડી હોસ્પિટલને ફેફસાના અને આઈકોનારસી હોસ્પિટલ, અમદાવાદને કિડની અને લીવરનું દાન કર્યું હતું. દાનમાં આપેલું હૃદય સુરતના ૪૮ વર્ષના વ્યક્તિના ફેફસાના અને અન્ય પ્રજ્ઞા જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કિડની અને લીવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. જ્યારે લોકડ્રાસ્ટિ આદ બેંકના ડૉ. પ્રકુળ શિરોયા દ્વારા ચક્કરનું દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું. હૃદય, ફેફસાના, કિડની અને લીવરને અમદાવાદ સુધી હવાઈ અને માર્ગ દ્વારા સમયસર પહોંચાડવા માટે બે જીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## તબીબના અંગદાનથી સાતને નવજીવન

| સુરત |

પાર્લોપોઈન્ટ વિસ્તારમાં રહેતા હોમિયોપેથી તબીબને અચાનક ચક્કર આવતા તેઓ સારવાર લેવા પહોંચ્યા હતા. જેમાં મગજની નસમાં બ્લોકેજ હોવાનું જણાયું હતું. સારવાર દરમિયાન બેઈનડેડ થતા અંગદાન કરવામાં આવ્યું હતું. જેમાં તેમના હદ્ધા, ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરાયું હતું.

મળતી માહિતી મુજબ પાર્લોપોઈન્ટ વિસ્તારમાં મેધમયુર પ્લાઝામાં રહેતા ડૉ. દેવાંગભાઈ જીતેન્દ્રભાઈ ચાહવાલા (ઉ. વ. ૫૦) સિટીલાઈટના ભગવતી આશિષ કોમ્પ્લેક્સમાં હોમિયોપેથી ડોક્ટર તરીકે પ્રેક્ટિસ કરતા હતા. ગત તા. ૧૮મીએ

મગજમાં લોહીની નસમાં બ્લોકેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. વધુ સારવાર દરમિયાન તબીબના મગજની નસમાં સ્ટેન્ટ બેસાડવાની સારવાર કરાઈ હતી.

ત્યારબાદ તા. ૨૨મીએ તબીબોએ ડૉ. દેવાંગભાઈને બેઈનડેડ જાહેર કર્યા. તબીબે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક નિલોશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કર્યો હતો. તેમના અંગદાનની સંમતિ મળતા દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હદ્ધાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી ૪૮ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની યુ.એન.મહેતા હોસ્પિટલમાં, ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જામનગરના ૪૭ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની કે. ડી. હોસ્પિટલમાં કરાયું હતું.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્ધાદાન..."

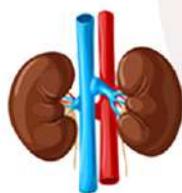


# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 23th March, 2024



**496**  
**KIDNEY**



**215**  
**LIVER**



**51**  
**HEART**



**48**  
**LUNGS**



**08**  
**PANCREAS**



**01**  
**INTESTINE**



**393**  
**CORNEA**



**04**  
**HANDS**

Total **1216** Organs & Tissues donated,  
which has given New Life & Vision to **1116** persons  
across Country & Globe.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."